वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

आजादी का अमृत महोत्सव
के अंतर्गत
"प्लास्टिक उन्मूलन जागरुकता सप्ताह"
(04.10.2021 से 10.10.2021)

माननीय प्रधानमंत्री के 2022 तक एकल उपयोग के प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से हटाने के उद्देश्य से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत चयनित प्रतिष्ठित सप्ताह (Iconic Week) (04.10.2021 से 10.10.2021) के संम्बध भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के आदेशानुसार वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा संस्थान में दिनांक 06.10.2021 को "एकल उपयोग के प्लास्टिक से बचे" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे कोरोना के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए संस्थान के लगभग 89 कर्मचारियों, अधिकारियों ने भौतिक अथवा आभासीय मंच द्वारा भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण आमंत्रित पर्यावरण विद डा. नितीश प्रियदर्शी रहे।

अपने संबोधन में समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने कार्यक्रम की आवश्यकता की जानकारी देते हुये बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम प्रदूषण के प्रति जागरुकता फैलाने तथा एकल उपयोग के प्लास्टिक से बचने के लिए एक आह्वाहन के रुप में लिया जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण मानव जनित प्रदूषण होने के कारण जागरुकता ही इसके निदान का एक मात्र उपाय है। प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण को एक ज्वलंत समस्या बताते हुए उन्होने कहा कि यह धीरे-धीरे हमारे जरुरत का एक हिस्सा बनता गया। उडीसा के पुरी शहर का उदाहरण देते हुए ने बताया कि प्लास्टिक बोतल को हतोत्साहित करने के लिए सरकार का पहल सराहनीय है और कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं।

आमत्रित मुख्य वक्ता डा. नितीश प्रियदर्शी ने प्रदूषण और महाविनाश को एक साथ जोड़ते हुए 4.5 बिलियन साल पुरानी धरती के प्रादुर्भाव से महाविनाश की ओर बढ़ रहे मानव सभ्यता के लिए मानव को सबसे बड़ा दोषी बताया। पिछले विनाश के बाद पृथ्वी द्वारा निर्मित मानव उपयोग की सारी सुविधाओं को मनुष्य खुद बर्बाद करने लगा। मानव के द्वारा अपनी सुविधा के लिए निर्मित वस्तुएं प्रकृति के संचालन में बाधा उत्पन्न करने लगा। प्लास्टिक भी उसी का एक उदाहरण है। प्लास्टिक से होने वाले अनगिनत नुकसान, कैंसर,चिकुनगुनिया घटना आदि का उदाहरण देते हुए इसके निराकरण के लिए मानव को जागरुक करना एकमात्र साधन बताया। उन्होने पर्यावरण के अनुकूल कागज का ठोंगा (packet) का उपयोग, जूट थैले का उपयोग एक ही प्लास्टिक का बार-बार आदि विकल्प भी सुझाया।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शरद तिवारी ने विज्ञान की सूक्ष्मताओं को सरल शब्दों में समझाने के लिए डॉ. प्रियदर्शी को धन्यवाद देते हुए प्लास्टिक उपयोग को पूर्णतया बंद करने की वकालत की। संस्थान के अनुसंधान अध्येताओं श्री वेद प्रकाश दुबे, सुश्री सुष्मिता सरकार एवं श्री महेश कुमार के सवालों का उन्होनें वैज्ञानिक एवं सरल भाषा में जवाब दिया।

संस्थान के निदेशक ने अल्प सूचना पर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. प्रियदर्शी को धन्यवाद दिया। उन्होनें एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को काफी नुकसानदायक बताया। उन्होनें कीट के द्वारा प्लास्टिक को भक्षण तो करता है लेकिन उत्पादन के अनुपात में इसपर काम करने में काफी वक्त की आवश्यकता है। उन्होने जोर देकर कहा कि हम घर की सफाई के तरह ही आसपास की सफाई, खासकर एकल उपयोग के प्लास्टिक को एकत्र कर उसका निवारण, प्लास्टिक के जगह कागज, जूट, कपड़े आदि का उपयोग पर जोर देते हुए वानिकी में भी पौधशाला में पौधें तैयार करने के लिए प्लास्टिक के विकल्पों पर वैज्ञानिकों से शोध की अपील की। कोविड काल में प्रकृति की चर्चा करते हुए सुझाव दिया कि प्रकृति के लिए साल में 10-20 दिनों का लाकडाउन कोई बुरा निर्णय नहीं होगा।

कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा के पूर्व श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

Ministry of
Environment, Forest and Climate Change
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY, RANCHI

(INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION)

Ranchi Gumla Road, NH-23 Ranchi

ICONIC WEEK

4 TO 10 OCT 2021

Celebration

Under the Azadi Ka Amrit Mahotsav

Campaign to avoid single use plastics

4 October, 2021 | 11:00 AM

http://ifp.icfre.gov.in @ifpranchi1 @ifpranchi

Reduce Plastic Production & Consumption

Ministry of Enviornment, Forest and Climate Change, Govt. of India

Iconic Week

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "प्लास्टिक उन्मूलन जागरुकता सप्ताह"

(04 अक्टुबर, 2021 से 10 अक्टुबर, 2021)

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

दिनांक :06.10.2021

समय	कार्यक्रम	प्रस्तुतकर्ता
11.00 AM - 11.05 AM	कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय (Brief Introduction of the Programme)	श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक, व.स.उ., रांची
11.05 AM - 11.10 AM	स्वागत भाषण (Welcome Address)	डॉ. योगेश्वर मिश्रा, स.स. (अनु.), व.उ.स., रांची
11.10 AM - 12.10 PM	Lecture and presentation on awareness programme "to Avoid the use of single-use plastic"	डॉ. नितिश प्रियदर्शी, पर्यावरणविद (Dr. Nitish Priyadarshi, Environmentalist)
12.10 PM - 12.20 PM	अध्यक्षीय उद्बोधन (Chairman's Speech)	डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, व.उ.स., रांची
12.20 PM - 12.30 PM	चर्चा (Discussion)	
12.30 PM – 12.40 PM	धन्यवाद ज्ञापन (Vote of thanks)	श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक, व.स.उ., रांची

कार्यक्रम की झलकियां

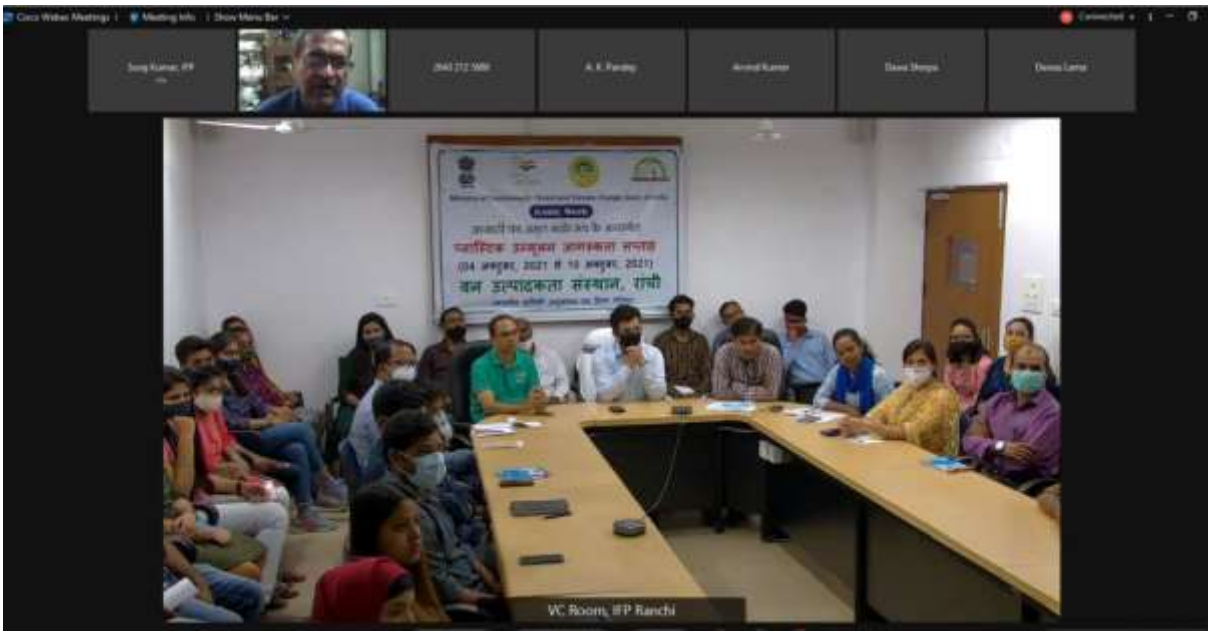

कार्यक्रम की झलकियां

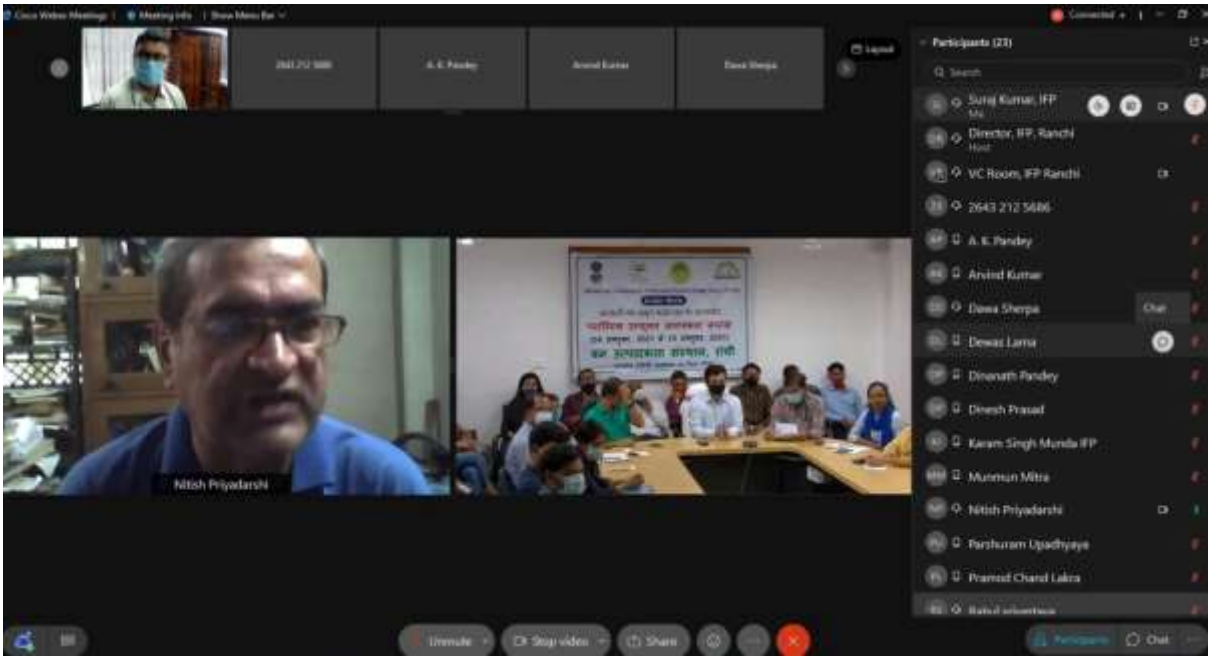

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां